

## CUET PG 2026 Yoga Question Paper with Solutions

Time Allowed : 1 Hour 30 Minutes

Maximum Marks : 300

Total Questions : 75

### General Instructions

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए :

1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. कैलकुलेटर का उपयोग वर्जित है।
3. प्रश्नों के दाईं ओर दिए गए अंक पूर्ण अंक दर्शाते हैं।
4. बहुविकल्पीय प्रश्नों (प्रश्न संख्या 1(ए)) के मामले में केवल पहले प्रयास का मूल्यांकन किया जाएगा और उसी के लिए अंक दिए जाएंगे।
5. प्रत्येक बहुविकल्पीय प्रश्न के लिए, उपप्रश्न संख्या सहित सही विकल्प (A), (B), (C) या (D) को उत्तर के रूप में लिखना है।  
उदाहरण के लिए: (i) (A), (ii) (B), (iii) (C)
6. जहां भी आवश्यक हो, वैज्ञानिक रूप से सही और लेबलयुक्त आरेख बनाए जाने चाहिए।

1. 20 जून 2025 को, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने आधिकारिक तौर पर भारत के पहले स्वदेशी रूप से निर्मित लोकोमोटिव को, किस देश को निर्यात करने हेतु हरी झंडी दिखाई ?

- (A) गिनी गणराज्य
- (B) चीन के गणराज्य
- (C) स्पेन
- (D) मंगोलिया

**Correct Answer:** (A) गिनी गणराज्य

**Solution:**

**Concept:**

भारत रेलवे और भारी इंजीनियरिंग के क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है। देश अब न केवल अपनी जरूरतों के लिए निर्माण कर रहा है, बल्कि अन्य देशों को रेल इंजन (लोकोमोटिव) का निर्माण और निर्यात भी कर रहा है। यह भारत की 'मेक इन इंडिया' पहल और उसकी बढ़ती तकनीकी क्षमता का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है।

### Step 1: Understanding the Question

प्रश्न पूछता है कि 20 जून 2025 को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारत के पहले स्वदेशी रूप से निर्मित लोकोमोटिव को किस देश को निर्यात के लिए हरी झंडी दिखाई गई।

### Step 2: Detailed Explanation

निर्दिष्ट तिथि पर, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने आधुनिक तकनीक का उपयोग करके पूरी तरह से भारत

में निर्मित पहले लोकोमोटिव के निर्यात को चिह्नित करने के लिए एक समारोह की अध्यक्षता की।  
इस लोकोमोटिव का गंतव्य देश गिनी गणराज्य था।  
यह कदम भारत और अफ्रीकी देशों के बीच आर्थिक और तकनीकी सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जाता है।

### Step 3: Final Answer

इस प्रकार, भारत के पहले स्वदेशी रूप से निर्मित लोकोमोटिव को गिनी गणराज्य में निर्यात के लिए हरी झंडी दिखाई गई।

#### 💡 Quick Tip

भारत अब रेलवे तकनीक के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो गया है और कई देशों को रेलवे इंजन और उपकरण निर्यात कर रहा है।

2. निम्नलिखित में से किस देश ने जून 2025 में, अंतरराष्ट्रीय बिग कैट एलायंस (International Big Cat Alliance) की पहली सभा की मेजबानी की ?

- (A) इंडोनेशिया
- (B) जर्मनी
- (C) इटली
- (D) भारत

**Correct Answer:** (D) भारत

### Solution:

#### Concept:

अंतरराष्ट्रीय बिग कैट एलायंस (IBCA) एक वैश्विक पहल है जिसका उद्देश्य दुनिया भर में बड़ी बिल्लियों जैसे बाघ, शेर, तेंदुआ, चीता, जगुआर और हिम तेंदुआ के संरक्षण को बढ़ावा देना है। यह पहल वन्यजीव संरक्षण और जैव विविधता की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है।

### Step 1: Understanding the Question

प्रश्न पूछता है कि जून 2025 में अंतरराष्ट्रीय बिग कैट एलायंस (IBCA) की पहली सभा की मेजबानी किस देश ने की।

### Step 2: Detailed Explanation

IBCA के लिए पहल की घोषणा भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 2023 में प्रोजेक्ट टाइगर के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर की थी।

इसका मुख्य उद्देश्य विभिन्न देशों के बीच सहयोग बढ़ाकर बड़ी बिल्लियों के संरक्षण को मजबूत करना है।

जून 2025 में, भारत ने अंतरराष्ट्रीय बिग कैट एलायंस की पहली सभा की मेजबानी की। इस बैठक में कई देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और वन्यजीव संरक्षण के लिए सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

### Step 3: Final Answer

इस प्रकार, अंतरराष्ट्रीय बिग कैट एलायंस की पहली सभा की मेजबानी भारत ने की।

#### 💡 Quick Tip

अंतरराष्ट्रीय बिग कैट एलायंस (IBCA) का उद्देश्य दुनिया भर में बड़ी बिल्लियों के संरक्षण के लिए देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है।

3. जुलाई 2025 में, किस संस्थान ने आंध्र प्रदेश के अमरावती में भारत के पहले AI प्लस कैंपस (AI Plus Campus) की घोषणा की ?

- (A) IIT मद्रास
- (B) NIT वारंगल
- (C) BITS पिलानी
- (D) IIIT हैदराबाद

**Correct Answer:** (C) BITS पिलानी

#### Solution:

#### Concept:

भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के क्षेत्र में तेजी से विकास देख रहा है। कई शैक्षणिक संस्थान AI-आधारित अनुसंधान, शिक्षा और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए विशेष कैंपस स्थापित कर रहे हैं।

#### Step 1: Understanding the Question

प्रश्न उस संस्थान की पहचान करने के लिए कहता है जिसने जुलाई 2025 में आंध्र प्रदेश के अमरावती में भारत के पहले 'AI प्लस कैंपस' की स्थापना की घोषणा की।

#### Step 2: Detailed Explanation

जुलाई 2025 में, BITS पिलानी ने आंध्र प्रदेश की नई राजधानी अमरावती में भारत के पहले AI प्लस कैंपस की स्थापना की घोषणा की।

इस कैंपस का उद्देश्य AI, डेटा साइंस और उन्नत तकनीकों के क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देना है।

कैंपस का लक्ष्य है :

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उभरती प्रौद्योगिकियों में उच्च शिक्षा प्रदान करना।
- अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करना।
- उद्योग और शिक्षा के बीच सहयोग को मजबूत करना।

#### Step 3: Final Answer

इस प्रकार, भारत के पहले AI प्लस कैंपस की घोषणा BITS पिलानी द्वारा की गई थी।

💡 Quick Tip

**BITS पिलानी** भारत के प्रमुख निजी तकनीकी संस्थानों में से एक है, जो अपनी इंजीनियरिंग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी शिक्षा के लिए प्रसिद्ध है।

4. 2025 में, किस कंपनी ने विरासत जल निकायों के जीर्णोद्धार के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) के साथ साझेदारी की है ?

- (A) डाबर (Dabur)
- (B) नेस्ले (Nestle)
- (C) पेप्सी (Pepsi)
- (D) बिसलेरी (Bisleri)

**Correct Answer:** (D) बिसलेरी (Bisleri)

**Solution:**

**Concept:**

भारत में बावड़ी, कुंड और तालाब जैसे कई ऐतिहासिक और विरासत जल निकाय हैं जिन्हें संरक्षण और जीर्णोद्धार की आवश्यकता है। इसे प्राप्त करने के लिए, सरकारी संस्थानों और निजी कंपनियों के बीच अक्सर सहयोग स्थापित किया जाता है।

**Step 1: Understanding the Question**

प्रश्न पूछता है कि 2025 में विरासत जल निकायों के जीर्णोद्धार के लिए किस कंपनी ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) के साथ साझेदारी की।

**Step 2: Detailed Explanation**

2025 में, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) ने ऐतिहासिक जल संरचनाओं के संरक्षण और पुनरुद्धार के लिए निजी क्षेत्र के साथ सहयोग करने के लिए एक पहल शुरू की।

इसका उद्देश्य इन विरासत जल निकायों को संरक्षित करना और उनके महत्व को बनाए रखना था।

इस पहल के तहत, बिसलेरी ने ASI के साथ साझेदारी की। इस परियोजना का उद्देश्य ऐतिहासिक जल निकायों और जल संरक्षण के संरक्षण और जीर्णोद्धार को बढ़ावा देना है।

**Step 3: Final Answer**

इस प्रकार, विरासत जल निकायों के जीर्णोद्धार के लिए ASI के साथ साझेदारी करने वाली कंपनी बिसलेरी है।

💡 Quick Tip

**ASI (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण)** भारत की ऐतिहासिक धरोहरों, स्मारकों और पुरातात्विक स्थलों के संरक्षण और रखरखाव के लिए जिम्मेदार संस्था है।

5. एशियाई खेल 2025 में भाला फेंक में स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला कौन बनी ?

- (A) शालिनी शर्मा
- (B) अन्नू रानी
- (C) कमलप्रीत कौर
- (D) सीमा अंतिल

**Correct Answer:** (B) अन्नू रानी

**Solution:**

**Concept:**

भाला फेंक एथलेटिक्स का एक प्रमुख आयोजन है जिसमें एक खिलाड़ी भाले को अधिकतम संभव दूरी तक फेंकने का प्रयास करता है। हाल के वर्षों में, भारतीय खिलाड़ियों ने इस खेल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है।

**Step 1: Understanding the Question**

प्रश्न एशियाई खेल 2025 में भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला की पहचान करने के लिए कहता है।

**Step 2: Detailed Explanation**

एशियाई खेल 2025 में, भारतीय महिला एथलीट **अन्नू रानी** ने भाला फेंक प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता।

इस जीत के साथ, **अन्नू रानी** एशियाई खेलों में भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं।

यह उपलब्धि भारतीय एथलेटिक्स के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

**Step 3: Final Answer**

एशियाई खेल 2025 में भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला **अन्नू रानी** थीं।

💡 Quick Tip

**अन्नू रानी** भारत की एक प्रमुख भाला फेंक खिलाड़ी हैं और उन्होंने कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व किया है।

6. जंतुओं के संयोजी ऊतकों में, वसा कोशिकाएं लोब्यूलस में व्यवस्थित होती हैं, जो \_\_\_\_\_ के विभाजन द्वारा पृथक होती हैं।

- (A) कोलेजन और इलास्टिन तंतु (collagen and elastin fibres)
- (B) पीत तंतु और लसीका (yellow fibres and lymph)
- (C) कंकाल तंतु और कंडरा (skeletal fibres and tendons)
- (D) रेटिकुलर तंतु और प्लाज्मा (reticular fibres and plasma)

**Correct Answer:** (A) कोलेजन और इलास्टिन तंतु (collagen and elastin fibres)

**Solution:****Concept:**

संयोजी ऊतक शरीर के विभिन्न भागों को जोड़ने और सहारा देने का कार्य करता है। वसा ऊतक एक प्रकार का संयोजी ऊतक है, जिसमें वसा कोशिकाएँ (एडिपोसाइट्स) होती हैं और यह ऊर्जा भंडारण और शरीर की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

**Step 1: Understanding the Question**

प्रश्न पूछता है कि जंतुओं के संयोजी ऊतकों में वसा कोशिकाओं के लोब्यूल्स को क्या अलग करता है।

**Step 2: Detailed Explanation**

वसा कोशिकाएँ आमतौर पर लोब्यूल्स नामक समूहों में व्यवस्थित होती हैं। ये लोब्यूल्स संयोजी ऊतक तंतुओं के विभाजन द्वारा एक दूसरे से अलग होते हैं। इन लोब्यूल्स को अलग करने के लिए मुख्य रूप से कोलेजन और इलास्टिन तंतु जिम्मेदार होते हैं। ये तंतु ऊतक को मजबूती और लचीलापन प्रदान करते हैं।

**Step 3: Final Answer**

इस प्रकार, वसा कोशिकाओं के लोब्यूल्स कोलेजन और इलास्टिन तंतुओं द्वारा अलग किए जाते हैं।

**Quick Tip**

वसा ऊतक एक प्रकार का संयोजी ऊतक है जो शरीर में ऊर्जा भंडारण, तापीय इन्सुलेशन और अंगों की सुरक्षा में मदद करता है।

7. कौन-सा ग्रुप गुजरात के जामनगर में वन्यजीव संरक्षण, बचाव और पुनर्वास की अनूठी पहल 'वंतारा' का स्वामित्व और सहयोग करता है, जिसका उद्घाटन मार्च 2025 में भारत के प्रधानमंत्री द्वारा किया गया ?

- (A) वाडिया ग्रुप (Wadia Group)
- (B) रिलायंस ग्रुप (Reliance Group)
- (C) टाटा ग्रुप (Tata Group)
- (D) डालमिया ग्रुप (Dalmia Group)

**Correct Answer:** (B) रिलायंस ग्रुप (Reliance Group)

**Solution:****Concept:**

वन्यजीव संरक्षण आज एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है। कई सरकारी संस्थान और निजी संगठन वन्य-जीवों के संरक्षण, उपचार और पुनर्वास के लिए विशेष पहलों पर सहयोग करते हैं।

**Step 1: Understanding the Question**

प्रश्न गुजरात के जामनगर में 'वंतारा' वन्यजीव संरक्षण पहल का स्वामित्व और समर्थन करने वाले कॉर्पोरेट समूह की पहचान करने के लिए कहता है।

### Step 2: Detailed Explanation

'वंतारा' गुजरात के जामनगर में स्थापित एक विशेष पहल है, जिसका उद्देश्य घायल, बीमार और संकटग्रस्त वन्यजीवों का बचाव, उपचार और पुनर्वास करना है।

यह जानवरों के लिए आधुनिक चिकित्सा सुविधाएँ और एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करता है।

यह पहल रिलायंस ग्रुप द्वारा संचालित और समर्थित है। इसका उद्घाटन मार्च 2025 में भारत के प्रधान मंत्री द्वारा किया गया था, जिसे भारत में वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम माना जाता है।

### Step 3: Final Answer

'वंतारा' पहल का स्वामित्व और समर्थन रिलायंस ग्रुप द्वारा किया जाता है।

#### 💡 Quick Tip

वंतारा परियोजना का उद्देश्य संकटग्रस्त वन्यजीवों को बचाना, उनका उपचार करना और उन्हें एक सुरक्षित पुनर्वास वातावरण प्रदान करना है।

8. मई 2025 में, छह अफ्रीकी देशों ने काला अजार से निपटने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए। काला अजार से क्या तात्पर्य है?

- (A) मच्छरों द्वारा संचरित एक प्रकार का विषाणु ज्वर
- (B) लाल रक्त कोशिकाओं को प्रभावित करने वाला एक आनुवंशिक विकार
- (C) सैंडफ्लाई के काटने से होने वाला एक परजीवी रोग
- (D) दूषित जल से फैलने वाला एक जीवाणु संक्रमण

**Correct Answer:** (C) सैंडफ्लाई के काटने से होने वाला एक परजीवी रोग

#### Solution:

#### Concept:

काला अजार को विसरल लीशमैनियासिस भी कहा जाता है। यह एक गंभीर संक्रामक रोग है जो परजीवी *Trypanosoma brucei* के कारण होता है और मुख्य रूप से सैंडफ्लाई के काटने से फैलता है।

### Step 1: Understanding the Question

प्रश्न काला अजार की परिभाषा पूछता है, जिससे निपटने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे।

### Step 2: Detailed Explanation

काला अजार लीशमैनिया नामक परजीवी के कारण होता है।

यह परजीवी संक्रमित सैंडफ्लाई के काटने से मानव शरीर में प्रवेश करता है।

यह रोग मुख्य रूप से यकृत, प्लीहा और अस्थि मज्जा को प्रभावित करता है।

इसके मुख्य लक्षणों में बुखार, वजन कम होना, कमजोरी और बढ़ी हुई प्लीहा शामिल हैं।

### Step 3: Final Answer

इस प्रकार, काला अजार सैंडफ्लाई के काटने से होने वाला एक परजीवी रोग है।

#### 💡 Quick Tip

काला अजार को विसरल लीशमैनियासिस भी कहा जाता है और यह मुख्य रूप से सैंडफ्लाई के काटने से फैलने वाला एक परजीवी रोग है।

9. निम्नलिखित में से कौन-सा, रासायनिक ऊर्जा के ऊष्मा ऊर्जा में रूपांतरण का सर्वोत्तम उदाहरण है ?

- (A) विद्युत से चलने वाली मोटर
- (B) सौर कुकर से भोजन गर्म करना
- (C) बैटरी द्वारा बल्ब जलाना
- (D) लकड़ी का जलना

**Correct Answer:** (D) लकड़ी का जलना

#### **Solution:**

#### **Concept:**

ऊर्जा रूपांतरण वह प्रक्रिया है जिसमें ऊर्जा एक रूप से दूसरे रूप में बदलती है। रासायनिक ऊर्जा पदार्थों के रासायनिक बंधों में संग्रहीत होती है, और जब कोई रासायनिक अभिक्रिया होती है, तो यह ऊर्जा ऊष्मा, प्रकाश या विद्युत ऊर्जा जैसे अन्य रूपों में परिवर्तित हो सकती है।

#### **Step 1: Understanding the Question**

प्रश्न दिए गए विकल्पों में से रासायनिक ऊर्जा के ऊष्मा ऊर्जा में रूपांतरण का सबसे अच्छा उदाहरण पूछता है।

#### **Step 2: Detailed Explanation**

आइए विकल्पों का विश्लेषण करें: (A) एक विद्युत मोटर विद्युत ऊर्जा को यांत्रिक ऊर्जा में परिवर्तित करती है।

(B) एक सौर कुकर प्रकाश ऊर्जा (सूर्य से) को ऊष्मा ऊर्जा में परिवर्तित करता है।

(C) बैटरी से बल्ब जलाना रासायनिक ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित करता है, जो फिर प्रकाश और ऊष्मा ऊर्जा में परिवर्तित हो जाती है।

(D) लकड़ी में उसके आणविक बंधों में संग्रहीत रासायनिक ऊर्जा होती है। लकड़ी का जलना एक दहन प्रक्रिया है जिसमें ये रासायनिक बंध टूटते हैं, और संग्रहीत रासायनिक ऊर्जा मुख्य रूप से ऊष्मा ऊर्जा और कुछ प्रकाश ऊर्जा के रूप में निकलती है। यह एक प्रत्यक्ष और प्रमुख रूपांतरण है।

#### **Step 3: Final Answer**

इसलिए, लकड़ी का जलना रासायनिक ऊर्जा का ऊष्मा ऊर्जा में रूपांतरण का सबसे अच्छा और सबसे सीधा उदाहरण है।

### 💡 Quick Tip

जब ईंधन (जैसे लकड़ी, कोयला, पेट्रोल) जलते हैं, तो उनकी रासायनिक ऊर्जा मुख्य रूप से ऊष्मा ऊर्जा में परिवर्तित हो जाती है।

10. निम्नलिखित में से किस महीने में, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (DST) तथा रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) संस्थानों ने जमीन-आधारित अंतरिक्ष स्थितिसंबंधी जागरूकता को बढ़ाने के लिए साझेदारी की ?

- (A) मई 2025
- (B) मार्च 2025
- (C) फरवरी 2025
- (D) जून 2025

**Correct Answer:** (A) मई 2025

#### **Solution:**

#### **Concept:**

अंतरिक्ष स्थितिसंबंधी जागरूकता (SSA) वह प्रणाली है जिसके माध्यम से पृथ्वी की कक्षा में उपग्रहों, अंतरिक्ष मलबे और अन्य अंतरिक्ष वस्तुओं की निगरानी की जाती है। यह अंतरिक्ष मिशनों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

#### **Step 1: Understanding the Question**

प्रश्न उस महीने के बारे में पूछता है जिसमें विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) और रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने SSA को बढ़ाने के लिए साझेदारी की।

#### **Step 2: Detailed Explanation**

भारत में अंतरिक्ष गतिविधियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए, अंतरिक्ष में वस्तुओं की निगरानी और प्रबंधन अत्यंत आवश्यक हो गया है।

इस उद्देश्य के लिए, विभिन्न वैज्ञानिक संस्थानों के बीच सहयोग बढ़ाया जा रहा है।

मई 2025 में, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) और रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) से जुड़े संस्थानों ने जमीन-आधारित अंतरिक्ष स्थितिसंबंधी जागरूकता को मजबूत करने के लिए साझेदारी की।

इसका उद्देश्य अंतरिक्ष मलबे की निगरानी, उपग्रहों की सुरक्षा और अंतरिक्ष गतिविधियों का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करना है।

#### **Step 3: Final Answer**

यह साझेदारी मई 2025 में हुई।

### 💡 Quick Tip

अंतरिक्ष स्थितिसंबंधी जागरूकता (SSA) अंतरिक्ष में उपग्रहों और मलबे की निगरानी की प्रणाली है, जो अंतरिक्ष मिशनों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।

11. विश्व बैंक भूमि सम्मेलन 2025 में, किस देश को ग्रामीण भूमि प्रशासन में परिवर्तनकारी कार्य के लिए 'कंट्री चैंपियन' (Country Champion) के रूप में सम्मानित किया गया ?

- (A) बर्मा
- (B) जापान
- (C) भारत
- (D) चीन

**Correct Answer:** (C) भारत

### **Solution:**

### **Concept:**

विश्व बैंक भूमि सम्मेलन भूमि प्रशासन, भूमि प्रबंधन और भूमि सुधार से संबंधित वैश्विक मुद्दों पर चर्चा के लिए आयोजित किया जाता है। यह उन देशों को भी सम्मानित करता है जिन्होंने भूमि प्रशासन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण और अभिनव कार्य किया है।

### **Step 1: Understanding the Question**

प्रश्न पूछता है कि विश्व बैंक भूमि सम्मेलन 2025 में ग्रामीण भूमि प्रशासन में अपने काम के लिए किस देश को 'कंट्री चैंपियन' के रूप में मान्यता दी गई।

### **Step 2: Detailed Explanation**

यह सम्मेलन उन देशों को कंट्री चैंपियन के रूप में सम्मानित करता है जिन्होंने भूमि प्रबंधन, डिजिटल भूमि रिकॉर्ड और ग्रामीण भूमि प्रशासन में उल्लेखनीय सुधार किए हैं।

वर्ष 2025 में, विश्व बैंक भूमि सम्मेलन में, भारत को ग्रामीण भूमि प्रशासन में अपने परिवर्तनकारी कार्यों के लिए कंट्री चैंपियन के रूप में सम्मानित किया गया।

भारत ने डिजिटल भूमि रिकॉर्ड, भूमि रिकॉर्ड के आधुनिकीकरण और पारदर्शी भूमि प्रबंधन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

### **Step 3: Final Answer**

भारत को 'कंट्री चैंपियन' के रूप में सम्मानित किया गया।

### 💡 Quick Tip

भारत में भूमि रिकॉर्ड के आधुनिकीकरण के लिए डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (DILRMP) जैसी महत्वपूर्ण पहलें लागू की जा रही हैं।

12. आर्थिक सर्वेक्षण, 2024-25 के अनुसार, संधारणीय जीवन शैली (sustainable lifestyles) को बढ़ावा देने के लिए भारत द्वारा संचालित वैश्विक आंदोलन को क्या कहा जाता है ?

- (A) अर्थ फर्स्ट (Earth First)
- (B) गो ग्रीन (Go Green)
- (C) लाइफ (LiFE)
- (D) स्वच्छ लाइफ (Swachh Life)

**Correct Answer:** (C) लाइफ (LiFE)

**Solution:**

**Concept:**

संधारणीय जीवन शैली का अर्थ है ऐसी जीवन शैली अपनाना जिसका पर्यावरण पर न्यूनतम नकारात्मक प्रभाव हो और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण हो।

**Step 1: Understanding the Question**

प्रश्न आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 के अनुसार, संधारणीय जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए भारत के नेतृत्व वाले वैश्विक आंदोलन का नाम पूछता है।

**Step 2: Detailed Explanation**

LiFE का पूरा नाम पर्यावरण के लिए जीवन शैली (Lifestyle for the Environment) है।

यह भारत द्वारा शुरू किया गया एक वैश्विक आंदोलन है जिसका उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

इस पहल की शुरुआत भारत के प्रधान मंत्री द्वारा की गई थी और इसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन से लड़ना, संसाधनों का संरक्षण करना और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार व्यवहार को बढ़ावा देना है। आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 में भी इस पहल का उल्लेख किया गया है।

**Step 3: Final Answer**

इस वैश्विक आंदोलन को लाइफ (LiFE) कहा जाता है।

💡 Quick Tip

लाइफ (LiFE - पर्यावरण के लिए जीवन शैली) एक वैश्विक आंदोलन है जो पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली अपनाने और संसाधनों के संरक्षण को बढ़ावा देता है।

13. भारत की संसद द्वारा मणिपुर विनियोग विधेयक किस वर्ष पारित किया गया ?

- (A) 2022
- (B) 2025
- (C) 2023
- (D) 2024

**Correct Answer:** (B) 2025

**Solution:****Concept:**

विनियोग विधेयक एक ऐसा विधेयक है जो सरकार को संसद द्वारा अनुमोदित धन को भारत की संचित निधि से खर्च करने की अनुमति देता है। यह बजट प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब कोई राज्य राष्ट्रपति शासन के अधीन होता है, तो उसका बजट संसद द्वारा पारित किया जाता है।

**Step 1: Understanding the Question**

प्रश्न उस वर्ष के बारे में पूछता है जब भारतीय संसद ने मणिपुर विनियोग विधेयक पारित किया था।

**Step 2: Detailed Explanation**

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू होने के कारण, राज्य के बजट और वित्तीय प्रावधानों को संसद द्वारा पारित किया गया।

इस विधेयक ने मणिपुर में प्रशासन और विकास कार्यों के लिए आवश्यक धनराशि प्रदान की।

भारत की संसद ने वर्ष 2025 में मणिपुर विनियोग विधेयक पारित किया। यह विधेयक राज्य के प्रशासनिक और विकासात्मक खर्चों को पूरा करने के लिए आवश्यक था।

**Step 3: Final Answer**

मणिपुर विनियोग विधेयक संसद द्वारा 2025 में पारित किया गया था।

**Quick Tip**

विनियोग विधेयक सरकार को संचित निधि से धन खर्च करने की कानूनी अनुमति प्रदान करता है और यह बजट प्रक्रिया का एक अनिवार्य हिस्सा है।

14. इसरो प्रमुख वी. नारायणन को 2025 में कोलकाता में कौन-सा सम्मान प्राप्त हुआ ?

- (A) पद्म श्री
- (B) भारत रत्न
- (C) राममोहन मिशन पुरस्कार
- (D) राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार

**Correct Answer:** (C) राममोहन मिशन पुरस्कार

**Solution:****Concept:**

भारत में वैज्ञानिकों और तकनीकी विशेषज्ञों को विज्ञान, अनुसंधान और समाज में उनके योगदान के लिए विभिन्न प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता है। ऐसे पुरस्कार उनके उत्कृष्ट कार्य और उपलब्धियों को मान्यता देते हैं।

**Step 1: Understanding the Question**

प्रश्न पूछता है कि इसरो प्रमुख वी. नारायणन को 2025 में कोलकाता में कौन सा सम्मान मिला।

### Step 2: Detailed Explanation

वी. नारायणन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख वैज्ञानिकों में से एक हैं। उन्होंने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम, विशेष रूप से रॉकेट और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

वर्ष 2025 में, कोलकाता में आयोजित एक समारोह में, वी. नारायणन को उनके वैज्ञानिक योगदान के लिए राममोहन मिशन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

### Step 3: Final Answer

वी. नारायणन को राममोहन मिशन पुरस्कार मिला।

#### 💡 Quick Tip

इसरो भारत की प्रमुख अंतरिक्ष एजेंसी है, जो उपग्रह प्रक्षेपण, अंतरिक्ष अनुसंधान और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

15. एक पौधे को उखाड़कर धूप में छोड़ दिया गया। कुछ घंटों बाद, पौधा मुरझाया हुआ और कमजोर दिख रहा था। इसका सबसे संभावित कारण क्या हो सकता है ?

- (A) जाइलम के माध्यम से भोजन स्थानांतरण अवरुद्ध हो गया
- (B) जाइलम के माध्यम से जल चालन प्रारंभ हो गया
- (C) फ्लोएम के माध्यम से भोजन स्थानांतरण प्रारंभ हो गया
- (D) जाइलम के माध्यम से जल चालन अवरुद्ध हो गया

**Correct Answer:** (D) जाइलम के माध्यम से जल चालन अवरुद्ध हो गया

#### Solution:

#### Concept:

पौधों में, जल और खनिजों का परिवहन मुख्य रूप से जाइलम के माध्यम से होता है, जबकि भोजन का परिवहन फ्लोएम के माध्यम से होता है। जाइलम जड़ों से पानी को पत्तियों तक पहुंचाता है।

### Step 1: Understanding the Question

प्रश्न पूछता है कि एक पौधे को उखाड़कर धूप में छोड़ने के बाद उसके मुरझाने का सबसे संभावित कारण क्या है।

### Step 2: Detailed Explanation

जब किसी पौधे को जमीन से उखाड़ दिया जाता है, तो उसकी जड़ें मिट्टी से अलग हो जाती हैं। इससे जड़ों द्वारा पानी और खनिजों का अवशोषण बंद हो जाता है।

जड़ों से पानी का अवशोषण बंद होने के कारण, जाइलम के माध्यम से जल का परिवहन रुक जाता है। पानी की कमी के कारण, पौधा अपनी कोशिकाओं का स्फीति दाब खो देता है और मुरझा जाता है।

इस बीच, पत्तियां वाष्पोत्सर्जन के माध्यम से वायुमंडल में पानी खोना जारी रखती हैं, खासकर धूप में।

### Step 3: Final Answer

इसलिए, सबसे संभावित कारण यह है कि जाइलम के माध्यम से जल चालन अवरुद्ध हो गया।

#### 💡 Quick Tip

जाइलम पौधों में जड़ों से पत्तियों तक जल और खनिजों का परिवहन करता है, जबकि फ्लोएम भोजन का परिवहन करता है।

16. कार्बन का वह विशिष्ट लक्षण क्या है, जो इसके अधिक संख्या में कार्बनिक यौगिकों के निर्माण का कारण बनता है ?

- (A) केवल चतुःसंयोजकता
- (B) केवल श्रृंखलन
- (C) विलेयता
- (D) चतुःसंयोजकता (tetravalency) और श्रृंखलन दोनों

**Correct Answer:** (D) चतुःसंयोजकता (tetravalency) और श्रृंखलन दोनों

#### Solution:

#### Concept:

कार्बन एक अद्वितीय तत्व है जो अत्यधिक बड़ी संख्या में कार्बनिक यौगिक बना सकता है। इसका मुख्य कारण इसकी चतुःसंयोजकता और श्रृंखलन के गुण हैं।

#### Step 1: Understanding the Question

प्रश्न कार्बन की उन विशिष्ट विशेषताओं के बारे में पूछता है जो इसे बड़ी संख्या में कार्बनिक यौगिक बनाने में सक्षम बनाती हैं।

#### Step 2: Detailed Explanation

**चतुःसंयोजकता :** कार्बन के बाहरी कोश में चार इलेक्ट्रॉन होते हैं, इसलिए यह चार सहसंयोजक बंध बना सकता है। यह कार्बन को हाइड्रोजन, ऑक्सीजन, नाइट्रोजन आदि जैसे विभिन्न तत्वों के साथ विभिन्न प्रकार के यौगिक बनाने की अनुमति देता है।

**श्रृंखलन :** कार्बन में स्वयं के साथ मजबूत बंध बनाने की एक अद्वितीय क्षमता भी होती है, जिससे लंबी श्रृंखलाएं, शाखाएं और वलय बनते हैं। इस गुण को श्रृंखलन कहते हैं।

इन दोनों गुणों के कारण, कार्बन बड़ी संख्या में विभिन्न कार्बनिक यौगिकों का निर्माण करता है।

#### Step 3: Final Answer

कार्बनिक यौगिकों की बड़ी संख्या के लिए चतुःसंयोजकता और श्रृंखलन दोनों जिम्मेदार हैं।

### 💡 Quick Tip

कार्बन की चतुःसंयोजकता और श्रृंखलन के गुणों के कारण लाखों प्रकार के कार्बनिक यौगिक संभव हैं।

17. अयस्क से अपशिष्ट (gangue) को हटाने के लिए उपयोग की जाने वाली प्रक्रियाएँ, अपशिष्ट और अयस्क के किन गुणों के बीच अंतर पर आधारित हैं ?

- (A) केवल भौतिक
- (B) रासायनिक या भौतिक
- (C) केवल रासायनिक
- (D) अपवर्तनांक (Refractive index)

**Correct Answer:** (B) रासायनिक या भौतिक

#### **Solution:**

#### **Concept:**

एक अयस्क से अवांछित पदार्थों को हटाने की प्रक्रिया को अयस्क का सांद्रण कहा जाता है। अयस्क में मौजूद अवांछित पदार्थों को गैंग कहा जाता है। उपयोग की जाने वाली विधि अयस्क और अशुद्धियों की प्रकृति पर निर्भर करती है।

#### **Step 1: Understanding the Question**

प्रश्न पूछता है कि अयस्क से गैंग को हटाने की प्रक्रियाओं का चयन किस आधार पर किया जाता है।

#### **Step 2: Detailed Explanation**

**भौतिक गुणों के आधार पर पृथक्करण :** कई प्रक्रियाएँ अयस्क और गैंग के भौतिक गुणों में अंतर के आधार पर काम करती हैं, जैसे :

- गुरुत्वीय पृथक्करण (घनत्व के आधार पर)
- चुंबकीय पृथक्करण (चुंबकीय गुणों के आधार पर)

**रासायनिक गुणों के आधार पर पृथक्करण :** कुछ प्रक्रियाएँ अयस्क और गैंग के रासायनिक गुणों में अंतर के आधार पर होती हैं, जैसे :

- झाग तैरन विधि (गीला होने के गुणों के आधार पर)
- निक्षालन (एक रासायनिक अभिकर्मक में घुलनशीलता के आधार पर)

#### **Step 3: Final Answer**

इस प्रकार, अयस्क से गैंग को हटाने की प्रक्रियाएँ उनके रासायनिक या भौतिक गुणों में अंतर पर आधारित होती हैं।

### 💡 Quick Tip

अयस्क के सांद्रण की प्रक्रियाएं आम तौर पर अयस्क और गैंग के भौतिक या रासायनिक गुणों में अंतर पर आधारित होती हैं।

18. फरवरी 2025 में ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा जारी 2024 के लिए भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक (CPI) में भारत के पड़ोसियों में से निम्नलिखित में से किस देश की रैंकिंग भारत से बेहतर है ?

- (A) बांग्लादेश
- (B) पाकिस्तान
- (C) श्रीलंका
- (D) चीन

**Correct Answer:** (D) चीन

### **Solution:**

### **Concept:**

भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक (CPI) ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा प्रतिवर्ष जारी किया जाता है। यह सूचकांक विभिन्न देशों में सार्वजनिक क्षेत्र में भ्रष्टाचार की धारणा को दर्शाता है। देशों को 0 से 100 के पैमाने पर अंक दिए जाते हैं, जहाँ अधिक अंक का अर्थ कम कथित भ्रष्टाचार होता है।

### **Step 1: Understanding the Question**

प्रश्न पूछता है कि भारत के पड़ोसियों में से किसकी 2024 की CPI रिपोर्ट में भारत से बेहतर रैंकिंग (अर्थात् कम कथित भ्रष्टाचार) थी।

### **Step 2: Detailed Explanation**

फरवरी 2025 में, ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल ने CPI 2024 जारी किया, जिसमें दुनिया भर के कई देशों की रैंकिंग और स्कोर प्रकाशित किए गए।

इस सूचकांक में, बेहतर स्कोर और रैंकिंग वाले देशों को अपेक्षाकृत कम भ्रष्टाचार वाला माना जाता है।

भारत की तुलना में, उसके कुछ पड़ोसी देशों की रैंकिंग बेहतर या बदतर थी। दिए गए विकल्पों में, चीन की रैंकिंग भारत से बेहतर थी, जबकि बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका की रैंकिंग अपेक्षाकृत कम थी।

### **Step 3: Final Answer**

इस प्रकार, सही उत्तर चीन है।

### 💡 Quick Tip

ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल एक वैश्विक संस्था है जो हर साल भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक (CPI) जारी करती है, जो विभिन्न देशों में भ्रष्टाचार की स्थिति का आकलन करता है।

19. उत्तल लेंस को अभिसारी लेंस भी कहा जाता है, क्योंकि \_\_\_\_\_

- (A) यह समानांतर किरणों को एक बिंदु पर केंद्रित करता है
- (B) यह प्रकाश किरणों को बिल्कुल भी वक्रित नहीं करता है
- (C) यह सदैव आभासी प्रतिबिंब बनाता है
- (D) यह प्रकाश किरणों को एक दूसरे से दूर अपसारित करता है

**Correct Answer:** (A) यह समानांतर किरणों को एक बिंदु पर केंद्रित करता है

**Solution:**

**Concept:**

लेंस दो प्रकार के होते हैं — उत्तल लेंस और अवतल लेंस। एक उत्तल लेंस को अभिसारी लेंस कहा जाता है क्योंकि यह अपवर्तन के बाद प्रकाश की समानांतर किरणों को एक ही बिंदु पर एकत्रित करता है।

**Step 1: Understanding the Question**

प्रश्न पूछता है कि उत्तल लेंस को अभिसारी लेंस क्यों कहा जाता है।

**Step 2: Detailed Explanation**

एक उत्तल लेंस बीच में मोटा और किनारों पर पतला होता है।

जब समानांतर प्रकाश किरणें इस लेंस से होकर गुजरती हैं, तो वे अपवर्तन के कारण अंदर की ओर मुड़ जाती हैं और एक ही बिंदु पर मिलती हैं।

जिस बिंदु पर सभी समानांतर किरणें मिलती हैं उसे फोकस कहा जाता है।

किरणों को अभिसरित करने के इस गुण के कारण, एक उत्तल लेंस को अभिसारी लेंस कहा जाता है।

**Step 3: Final Answer**

एक उत्तल लेंस को अभिसारी लेंस कहा जाता है क्योंकि यह समानांतर किरणों को एक बिंदु पर केंद्रित करता है।

💡 Quick Tip

एक उत्तल लेंस समानांतर प्रकाश किरणों को फोकल बिंदु पर अभिसरित करता है, जबकि एक अवतल लेंस उन्हें अपसरित करता है।

20. सांद्र सल्फ्यूरिक अम्ल को निर्जलीकरण कारक माना जा सकता है क्योंकि यह निम्नलिखित में से \_\_\_\_\_ से जल को हटाता है।

- (A) प्रोपेन
- (B) सोडियम हाइड्रॉक्साइड
- (C) अमोनिया गैस
- (D) ग्लूकोज

**Correct Answer:** (D) ग्लूकोज

**Solution:**

**Concept:**

सांद्र सल्फ्यूरिक अम्ल ( $H_2SO_4$ ) एक शक्तिशाली निर्जलीकरण कारक है। निर्जलीकरण का अर्थ है किसी पदार्थ से जल ( $H_2O$ ) को हटाना। इस अम्ल में कई कार्बनिक यौगिकों से जल हटाने की क्षमता होती है।

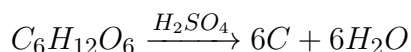
**Step 1: Understanding the Question**

प्रश्न पूछता है कि सांद्र सल्फ्यूरिक अम्ल को निर्जलीकरण कारक क्यों माना जाता है, विशेष रूप से यह दिए गए पदार्थों में से किससे पानी निकाल सकता है।

**Step 2: Detailed Explanation**

जब सांद्र सल्फ्यूरिक अम्ल को ग्लूकोज या अन्य कार्बोहाइड्रेट में मिलाया जाता है, तो यह उनसे पानी निकाल देता है, जिससे कार्बन बच जाता है।

इस प्रक्रिया में, ग्लूकोज निर्जलित हो जाता है, और कार्बन का एक काला द्रव्यमान बनता है। रासायनिक अभिक्रिया है :



ग्लूकोज में हाइड्रोजन और ऑक्सीजन का अनुपात पानी (2:1) के समान होता है, इसलिए सांद्र सल्फ्यूरिक अम्ल आसानी से इससे पानी निकाल देता है।

**Step 3: Final Answer**

इसलिए, सही उत्तर ग्लूकोज है।

**💡 Quick Tip**

सांद्र सल्फ्यूरिक अम्ल एक शक्तिशाली निर्जलीकरण कारक है जो कार्बोहाइड्रेट (जैसे ग्लूकोज या चीनी) से पानी निकालकर काला कार्बन छोड़ देता है।